प्री-बोर्ड परीक्षा - 2024-25

PRE-BOARD EXAMINATION-2024-25

SUBJECT: हिन्दी (पाठ्यक्रम 'अ') **M.M.: 80**

CLASS: दसवीं (कोड 002) **TIME: 3 घंटे**

सामान्य निर्देश/GENERAL INSTRUCTIONS:

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख्ती से अनुपालन कीजिए ।

- इस प्रश्न-पत्र में कुल 15 प्रश्न हैं । सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
- इस प्रश्न-पत्र में कुल चार खंड हैं- खंड-'क', 'ख', 'ग', और 'घ' ।
- खंड 'क' में कुल 2 प्रश्न हैं, जिसमें उपप्रश्नों की संख्या 10 है ।
- खंड- 'ख' में कुल 4 प्रश्न हैं, जिसमें उपप्रश्नों की संख्या 20 है । दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 16 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।
- खंड- 'ग' में कुल 5 प्रश्न हैं, जिसमें उपप्रश्नों की संख्या 20 है ।
- खंड- 'घ' में कुल 4 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं ।
- प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए ।

प्रश्न संख्या	खंड – क (अपठित बोध)	अंक 14
प्रश्न-1.	निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।	7
	कई लोग असाधारण अवसर की बाट देखा करते हैं। साधारण अवसर उनकी दृष्टि में उपयोगी नहीं रहते, परंतु वास्तव में कोई अवसर छोटा-बड़ा नहीं होता हैं। छोटे-से-छोटे अवसर का उपयोग करने से, अपनी बुद्धि को उसी में लगा देने से वही छोटा अवसर बड़ा हो जाता है। सर्वोत्तम मनुष्य वे नहीं हैं, जो अवसरों की बाट देखते रहते हैं, परंतु वे हैं जो अवसर को अपना दास बना लेते हैं । हमारे सामने हमेशा ही अवसर उपस्थित रहते हैं। अवसर न मिलने की शिकायत कमजोर मनुष्य करते हैं। उनके इस अरण्य-रोदन का कोई औचित्य नहीं है। सच्चाई है कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मनुष्य को अपनी योग्यता, सामर्थ्य सिद्ध करने के विपुल अवसर मिलते हैं। आवश्यकता केवल इस बात की है कि हम कितनी सजगता से इन अवसरों का अपयोग अपने व समाज के हित के लिए करते हैं। अवसर वह अनमोल मोती है जिसे हड़पने के लिए विध्वंसक और सर्जक दोनों आतुर रहते है। एक उसका उपयोग विनाश के लिए करता हैं तो दूसरा निर्माण, विकास और आत्म-उत्थान के लिए। अतः हम यहाँ दो प्रकार के लोग	

	देख सकते हैं । जिनमें अवसरों का रोना रोने वाले तथा उसका दुरुपयोग और सदुपयोग करने वाले शामिल हैं । हर समय हर कार्य सफल नहीं हो सकता। सही समय पर किया गया काम ही सफल होता है। जो व्यक्ति सही अवसर को पहचानने की क्षमता रखते हैं, वह अवसर का लाभ उठा लेते हैं और अपने जीवन में आगे बढ़ जाते हैं। बहुत से व्यक्ति ऐसे होते हैं जो सही अवसर को पहचान नहीं पाते और उसका लाभ नहीं उठा पाए। इस कारण वह जीवन में सफलता प्राप्त नहीं कर पाते। इसलिए सही समय पर अवसर का लाभ उठाकर हम अपने जीवन में सफलता को आमंत्रण दे सकते हैं।	
(क)	कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए : कथन (A) :- अरण्य-रोदन अवसर को न पहचानने की बाहरी प्रतिक्रिया है। कारण (R) :- हर समय हर कार्य सफल नहीं हो सकता। सही समय पर किया गया काम ही सफल होता है। **(i)** कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है। **(ii)** कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं। **(iii)** कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है। **(iv)** कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है ।	1
(ख)	"अवसर एक अनमोल मोती की तरह है"– इस कथन के आलोक में उचित विकल्प का चयन कीजिए। **(I)** केवल भाग्यवान को ही अवसर प्राप्त होता हैं। **(II)** अवसर को पहचानकर उपयोग करने वाला सुखी हो सकता है। **(III)** असाधारण अवसर से ही जीवन की प्रगति हो सकती है। **(IV)** अवसर का लाभ उठाकर हम जीवन में सफलता को आमंत्रण दे सकते हैं। विकल्प : **(i)** (I) और (II) सही है । **(ii)** केवल कथन (III) सही है । **(iii)** (II) और (IV) सही है । **(iv)** (II), (I) और (IV) सही है ।	1
(ग)	नीचे दिए हुए कॉलम-1 को कॉलम-2 से सुमेलित कर सही विकल्प का चयन कीजिए –	1

कॉलम-1	कॉलम-2
I. अवसर को दास बनाना	1 – अवसर न मिलने की शिकायत
II. महत्वपूर्ण इंसान	2 – सर्वोत्तम मनुष्य
III. कमजोर मनुष्य	3 – अवसरों का सदुपयोग

	विकल्प : **(i)** I (I), II (3), III (1) **(ii)** I (2), II (3), III (1) **(iii)** I (3), II (1), III (2) **(iv)** I (1), II (3), III (2)	
(घ)	अवसर की पहचान हमारे जीवन में क्या परिवर्तन ला सकती है ?	2
(ङ)	सर्जक अवसरों का उपयोग कैसे करता है ?	2
प्रश्न-2.	निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :	7

जो नहीं हो सके पूर्ण-काम
मैं उनको करता हूँ प्रणाम।
कुछ कुंठित औ कुछ लक्ष्य-भ्रष्ट
जिनके अभिमंत्रित तीर हुए;
रण की समाप्ति के पहले ही
जो वीर रिक्त तूणीर हुए।
– उनको प्रणाम।
जो छोटी-सी नैया लेकर उतरे
करने को उदधि-पार;
मन की मन में ही रही, स्वयं
हो गए उसी में निराकार।
– उनको प्रणाम।
जो उच्च शिखर की ओर बढ़े
रह-रह नव-नव उत्साह भरे;
पर कुछ ने ले ली हिम-समाधि
कुछ असफल हो नीचे उतरे !
– उनको प्रणाम।
दृढ़ व्रत औ' दुर्दम साहस के
जो उदाहरण थे मूर्ति-मंत?
पर निरवधि बंदी जीवन ने
जिनकी धुन का कर दिया अंत !
– उनको प्रणाम।
जिनकी सेवाएँ अतुलनीय
पर विज्ञापन से रहे दूर
प्रतिकूल परिस्थिति ने जिनके
कर दिए मनोरथ चूर-चूर !
– उनको प्रणाम।

- नागार्जुन

(क)	कविता में कवि कैसे लोगों को प्रणाम कर रहा है ? **(i)** जिन्होंने सुलभ साधनों के बल पर लक्ष्य प्राप्त कर लिया। **(ii)** जो संसाधनों की कमी के कारण असफल हो गए पर अपने हौसले और हिम्मत में कमी नहीं आने दी। **(iii)** जिन्होंने अपने पौरुष के बल पर सफलता का परचम लहरा दिया। **(iv)** जिनके नाम इतिहास में स्वर्ण-अक्षरों से लिखे गए हैं।	1
(ख)	कवि ने 'छोटी नैया और विराट समुद्र' के द्वारा क्या कहना चाहा हैं ? उचित विकल्प का चयन कीजिए । (i) सीमित साधनों के साथ बड़ी चुनौती का सामना करने उतर पड़ना।	1

	(ii) लक्ष्य का बोध भूलकर समुद्र मंथन करना। (iii) साहस, हिम्मत व असमर्थ साधन के साथ कठिन लक्ष्य प्राप्ति के किए निकल पड़ना। (iv) समर्थ साधनों के होते हुए भी नाविक का निराकार होना उसकी नियति है। **विकल्प :** (i) कथन (I), (III) और (IV) सही है । (ii) केवल कथन (I) सही है । (iii) कथन (II) और (III) सही है । (iv) कथन (I) और (III) सही है ।	
(ग)	कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए । कथन (A) कवि ने आत्मप्रचार करने वाले लोगों का आदर किया हैं । कारण (R) कवि इन अनाम लोगों की सेवाओं को महत्वपूर्ण मानता है जिन्होंने स्व-प्रचार की अपेक्षा समर्पण को महत्व दिया । (i) कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है। (ii) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं। (iii) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है। (iv) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है ।	1
(घ)	'प्रतिकूल परिस्थिति ने जिनके कर दिए मनोरथ चूर-चूर'- पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए ?	2
(ङ)	प्रस्तुत कविता का संदेश अपने शब्दों में लिखिए ।	2
	खंड - 'ख' (व्यावहारिक व्याकरण)	16
प्रश्न-3.	निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से <u>किन्हीं चार</u> के उत्तर दीजिए ।	4×1=4
(क)	बीमार होने के कारण मैं विद्यालय नहीं आ सका। - (संयुक्त वाक्य में बदलिए)	1
(ख)	काशी में संगीत आयोजन की एक प्राचीन एवं अद्भुत परंपरा है। (रचना की दृष्टि से वाक्य का प्रकार लिखिए)	1
(ग)	एक सिक्किमी नवयुवक ने मुझे बताया कि प्रदूषण के चलते स्नो फॉल लगातार कम होती जा रही है। (आश्रित उपवाक्य का भेद लिखिए)	1
(घ)	हम सभी सैलानी जीप से उतर गए और बर्फ़ पर कूदने लगे थे । (सरल वाक्य में बदलिए)	1
(ङ)	आराम से सेकंड क्लास में जाने के लिए दाम अधिक लगते हैं । (मिश्र वाक्य में बदलिए)	1

प्रश्न-4	निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर लिखिए ।	4×1=4
(क)	चलो, अब सोते हैं । (भाववाच्य में बदलिए)	1
(ख)	कौन-से वाच्य में सकर्मक-अकर्मक क्रिया प्रयुक्त होती है ?	1
(ग)	पानवाला नया पान खा रहा था। (कर्मवाच्य में बदलिए)	1
(घ)	हालदार साहब ने चश्मेवाले की देशभक्ति को प्रणाम किया। - (वाच्य पहचानकर भेद लिखिए)	1
(ङ)	मन्नू भण्डारी द्वारा चौराहे पर भाषण दिया गया। (कर्तृ वाच्य में बदलिए)	1
प्रश्न-5.	निर्देशानुसार 'पद-परिचय' पर आधारित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए।	4×1=4
(क)	मनोज दसवीं कक्षा में पढ़ता है।	1
(ख)	शोभा प्रतिदिन विद्यालय जाती है ।	1
(ग)	सूरदास ने 'सूरसागर' की रचना की ।	1
(घ)	वक्त काटने के लिए खीरे खरीदे होंगे।	1
(ङ)	घर के सामने एक बरगद का पेड़ था ।	1
प्रश्न-6	निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों की रेखांकित काव्य-पंक्तियों में अलंकार पहचानकर उत्तर दीजिए-	4×1=4
(क)	सुनत जोग लागत है ऐसो, ज्यों करुई ककरी ।	1
(ख)	कहीं साँस लेते हो घर-घर भर देते हो ।	1
(ग)	तुम्हारी यह दंतुरित मुस्कान, मृतक में भी डाल देगी जान ।	1
(घ)	लाल किरण-सी चोंच खोल, चुगते तारक अनार के दाने ।	1
(ङ)	गोपी पद-पंकज पावन की रज जामे सिर भीजे ।	1
	खंड - 'ग' (पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक)	30
प्रश्न-7	निम्नलिखित पठित गदयांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए ।	5×1=5
	आग के आविष्कार में कदाचित पेट की ज्वाला की प्रेरणा एक कारण रही। सुई-धागे के आविष्कार में शायद शीतोष्ण से बचने तथा शरीर को सजाने की प्रवृत्ति का विशेष हाथ	

	रहा। अब कल्पना कीजिए उस आदमी का जिसका पेट भरा है और तन ढँका है, लेकिन जब वह खुले आकाश के नीचे सोया हुआ रात के जगमगाते तारों को देखता है, तो उसको केवल इसलिए नींद नहीं आती क्योंकि वह यह जानने के लिए परेशान है कि आखिर यह मोती भरा थाल क्या है ? पेट भरने और तन ढँकने की इच्छा मनुष्य की संस्कृति की जननी नहीं है । पेट भरा और तन ढँका होने पर भी ऐसा मानव जो वास्तव में संस्कृत है, निठल्ला नहीं बैठ सकता । हमारी सभ्यता का एक बड़ा अंश हमें ऐसे संस्कृत आदमियों से मिला हैं, जिनकी चेतना पर स्थूल भौतिक कारणों का प्रभाव प्रधान रहा है, किन्तु उसका कुछ हिस्सा हमें मनीषियों से भी मिला हैं, जिन्होने तथ्य-विशेष को किसी भौतिक प्रेरणा के वशीभूत होकर नहीं, बल्कि उनके अपने अंदर की सहज संस्कृति के ही कारण प्राप्त किया है ।	
(क)	कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए । कथन (A) पेट भरने और तन ढँकने की इच्छा मनुष्य की संस्कृति की जननी नहीं है। कारण (R) भौतिक कारणों के अतिरिक्त मनुष्य की जिज्ञासा, चिंतनशीलता एवं कर्मठता मानव संस्कृति के पोषक तत्व है । विकल्प : i. कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है । ii. कथन (A) सही किन्तु कारण (R) गलत है । iii. कथन (A) सही है और (R) कथन (A) की सही व्याख्या है । iv. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है ।	1
(ख)	आग और सुई-धागे के आविष्कार में योग्यता, प्रेरणा व प्रवृत्ति की भूमिका रही है । कथन के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए । I. सुई-धागे का आविष्कार व्यक्ति विशेष की संस्कृति नहीं है । II. योग्यता, प्रेरणा व प्रवृति के बल पर नई वस्तु का आविष्कार होता है । III. ये व्यक्ति विशेष की संस्कृति है । IV. सुई-धागे का आविष्कार व्यक्ति की योग्यता का परिचायक नहीं है । विकल्प : कथन (I) और (II) सही है । कथन (II) और (III) सही है । कथन (II) और (IV) सही है । कथन (I), (II), (III) सही है ।	1
(ग)	रात में 'तारों के जमघट' को 'मोती भरा थाल' मानने वालों को क्या कहेंगे ? **i.** सरल व्यक्ति **ii.** सभ्य व्यक्ति	1

	iii. असंस्कृत व्यक्ति iv. चिंतनशील एवं जिज्ञासु व्यक्ति	
(घ)	सभ्यता के विकास में कैसे लोगों का योगदान रहा है ? i. संस्कृत, जिज्ञासु एवं कर्मशील ii. परोपकारी एवं धैर्यवान iii. असंस्कृत और सभ्य iv. रक्षक, निर्माता व शिक्षित	1
(ङ)	वास्तव में संस्कृत व्यक्ति निठल्ला नहीं बैठ सकता । - कथन के पक्ष में उचित विकल्प का चयन कीजिए - I. संस्कृत व्यक्ति अपने परिश्रम से जीवन को समृद्ध करता है । II. संस्कृत व्यक्ति लोक कल्याण की अपेक्षा स्वकल्याण पर ध्यान देता है । III. संस्कृत व्यक्ति चिंतनशील होकर नए तथ्यों का उद्‌घाटन करता है । IV. वास्तविक संस्कृत व्यक्ति हमेशा जिज्ञासु रहकर रहस्यों को जानने के लिए उत्सुक रहता है । विकल्प : कथन (I) और (II) सही है । कथन (II) और (III) सही है । कथन (III) और (IV) सही है । कथन (I), (II), (III) सही है ।	1
प्रश्न-8	निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए ।	3×2=6
(क)	लेखक ने कैप्टन चश्मेवाले के माध्यम से देशभक्ति की क्या व्याख्या की है ? अपने विचार लिखिए ।	2
(ख)	बालगोबिन भगत प्रचलित मान्यताओं को नहीं मानते थे - इस कथन के आलोक में कोई दो प्रसंगों का उल्लेख कीजिए ।	2
(ग)	मन्नू भंडारी के पिता ने रसोई को 'भटियारखाना' कहकर क्यों संबोधित किया है ?	2
(घ)	बिस्मिल्ला खाँ मिली-जुली संस्कृति के प्रतीक थे । - तर्क सहित उत्तर दीजिए ।	2
प्रश्न-9	निम्नलिखित पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए ।	5×1=5
	छोटे से जीवन की कैसे बड़ी कथाएँ आज कहूँ ? क्या यह अच्छा नहीं कि औरों की सुनता मैं मौन रहूँ ? सुनकर क्या तुम भला करोगे मेरी भोली आत्म-कथा ?	

	अभी समय भी नहीं, थकी सोई है मेरी मौन व्यथा ।	
(क)	कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए । कथन (A) : कवि ने अपने जीवन को बहुत छोटा कहा है । कारण (R) कवि के जीवन की कथा एक सामान्य व्यक्ति के जीवन की कथा है।उसमें कोई विशेष और रोचक बात नहीं है । I. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है । II. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है । III. कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत है । IV. कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) गलत है ।	1
(ख)	'छोटे से जीवन की कैसे बड़ी कथाएँ आज कहूँ ?'- इस पंक्ति में कवि के व्यक्तित्व की कौन-सी विशेषता प्रकट होती है ? उपयुक्त कथन चुनिए । I. वे बड़े कवि नहीं थे । II. उनका हिन्दी साहित्य से परिचय अधिक नहीं था । III. वे नए कवियों से संवाद नहीं करते थे । IV. वे बड़े विनम्र थे और सरल स्वभाव के थे । विकल्प : i. कथन I और II सही है । ii. कथन III और IV सही है । iii. कथन I और III सही है । iv. केवल IV सही है ।	1
(ग)	कवि अपनी आत्मकथा कहने के स्थान पर क्या करना चाहता है ? i. अपनी आत्मकथा सुनाना । ii. दूसरों की आत्मकथा सुनना । iii. कविताओं की रचना करना । iv. पत्रिकाओं के लिए कविताएँ लिखना ।	1
(घ)	कवि ने अपनी आत्मकथा को भोली क्यों कहा है ? निम्न में से कौन-सा कथन गलत है। I. कवि की आत्मकथा रोचक और महान थी । II. उनकी आत्मकथा सरल और साधारण जीवन की कथा है । III. उनको लगता है कि जीवन में कोई विशेष उपलब्धि नहीं है । IV. कवि का स्वभाव छल, कपट से रहित था । विकल्प	1

	i. कथन I और II सही है । ii. कथन I सही है । iii. कथन I और III सही है । iv. कथन IV सही है ।	
(ङ)	कवि ने अपने जीवन के कष्टों के बारे में क्या कहा है ? i. वह अभी शांत है, उनको कुरेदना नहीं चाहता । ii. जीवन की व्यथाएँ उसका संबल बनी हुई हैं । iii. कष्टों ने जीवन को सफलता दिलाई हैं । iv. वह मुखर है और जीवन का सहारा है ।	1
प्रश्न-10	निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए ।	3×2=6
(क)	परशुराम के क्रोध करने पर राम और लक्ष्मण की क्या प्रतिक्रिया होती है ? 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' के आधार पर लिखिए ।	2
(ख)	कवि ने बादलों के लिए 'नवजीवन देने वाले' शब्द का प्रयोग क्यों किया है ?	2
(ग)	संगतकार का त्याग ही उसकी महानता है, कैसे ? अपने विचार लिखिए ।	2
(घ)	'यह दंतुरित मुसकान' कविता में 'बाँस और बबूल' किसके प्रतीक बताए गए हैं? इन पर शिशु की मुसकान का क्या असर होता है ?	2
प्रश्न-11	पूरक पाठ्यपुस्तक के निर्धारित पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए ।	2×4=8
(क)	'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ में कहा गया है कि 'कटाओ' पर किसी दुकान का न होना वरदान है, ऐसा क्यों ? भारत के अन्य प्राकृतिक स्थानों को वरदान बनाने में युवा नागरिकों की क्या भूमिका हो सकती है ?	4
(ख)	लेखक ने प्रत्यक्ष अनुभव और अनुभूति में क्या अंतर बताया है ? उनकी 'हिरोशिमा' कविता 'अनुभव-प्रत्यक्ष' का परिणाम है या 'अनुभूति-प्रत्यक्ष' का ? 'मैं क्यों लिखता हूँ" के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।	4
(ग)	'माता का अँचल' पाठ में भोलानाथ के पिता की दिनचर्या का वर्णन करते हुए आज के एक सामान्य व्यक्ति की दिनचर्या से उसकी तुलना कीजिए।	4
	खंड - घ (रचनात्मक लेखन)	20
प्रश्न-12	निम्नलिखित तीन विषयों में से **<u>किसी एक</u>** विषय पर संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए । (क) स्वच्छ भारत - एक कदम स्वच्छता की ओर	1×6=6

	• स्वच्छता का महत्व • स्वच्छता के लिए जन-जागृति • स्वच्छता की कमी से नुकसान • युवा पीढ़ी का कर्तव्य (ख) बीता समय फिर नहीं लौटता • समय का महत्व • समय नियोजन • समय गँवाने की हानियाँ • समय के सदुपयोग के फायदे (ग) महानगरों का जीवन • महानगरों की समस्याएँ • जीवन शैली • स्वास्थ्य पर प्रभाव • ग्रामीण जीवन से तुलना	
प्रश्न-13	(क) आप कोमल/कमलेश है। आपके क्षेत्र में कुछ दिनों से दूषित पेय जल आ रहा है। अतः नगर निगम के पेय जल आपूर्ति विभाग को लगभग 100 शब्दों में एक शिकायती पत्र लिखकर मुख्य जल प्रबंधक का ध्यान आकृष्ट कीजिए । **अथवा** (ख) आप कोमल/कमलेश है । आपकी स्व-रचित कविता हिन्दी की प्रतिष्ठित 'हंस' पत्रिका में प्रकाशित हुई है । उसकी जानकारी देते हुए अपने पिता जी को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए ।	1×5=5
प्रश्न-14	(क) आप विस्मय/विस्मया है । आप बी. एड. कर चुके हैं । आपको गुजरात राजकीय माध्यमिक विद्यालय में हिन्दी अध्यापक/अध्यापिका के पद के लिए आवेदन करना है । अतः इस पद के लिए लगभग 80 शब्दों में स्ववृत्त तैयार कीजिए। **अथवा** (ख) आप विस्मय/विस्मया है । आपने 'कविता प्रकाशन' से कुछ पुस्तकें मँगवाई थीं। 15 दिन के पश्चात भी पुस्तकों का पार्सल आपको नहीं मिला । अतः प्रकाशक को ऑर्डर रद्द करने के लिए ई-मेल लिखिए ।	1×5=5
प्रश्न-15	(क) जल-संरक्षण के प्रति सचेत करते हुए एक जनहितकारी विज्ञापन लगभग 40 शब्दों में तैयार कीजिए । **अथवा** (ख) आपके पिता जी नौकरी से सेवा-निवृत्त हुए है । उनको आगामी जीवन के लिए शुभकामना देते हुए लगभग 40 शब्दों में संदेश लिखिए ।	1×4=4

****